पाठ - 6
प्राणी वही प्राणी है
विधा- कविता
कवि - श्री भवानी प्रसाद मिश्र

प्र01 शब्दार्थ लिखिए। (पाठ्यपुस्तक से)

प्र02 "प्राणी वही प्राणी है" कविता की आठ लाइन लिखिए। (पाठ्यपुस्तक में)

प्र03 सोचो और बताओ।
क) एक अच्छे मनुष्य के क्या गुण होते हैं?
उ० जो दुखी व्यक्ति के दुख दूर कर दे, वही अच्छा मनुष्य है।

ख) लँगड़े तथा लूले को किसकी आवश्यकता होती है?
उ० लँगड़े तथा लूले को सहारा देकर उसकी सहायता करने की आवश्यकता होती है।

ग) मरना किस प्रकार का अच्छा होता है?
उ० मरना उस प्रकार का अच्छा होता है जो रुकती हुई दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए अपने शीश को फूल की भाँति बलिवेदी पर चढ़ा दे।

घ) कोई भी प्राणी किस प्रकार का होता है?
उ० कवि के विचार में न तो कोई प्राणी बड़ा होता है न ही छोटा।

Scanned with CamScanner

classmate
Date
Page

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

प्रश्न क) पानी और प्राणी में कवि ने किन समान गुणों को दिखाया है?

उ० पानी और प्राणी में कवि ने स्वावलंबन की समानता दर्शाई है।

ख) सच्चे मनुष्य के क्या गुण होते हैं?

उ० सच्चा मनुष्य मरने तक सत्य का साथ देता है, हमेशा सच बोलता है तथा कभी भी झूठ से डरता नहीं है।

ग) आत्म- त्याग की कसौटी क्या है?

उ० जो रुकती हुई दुनिया को आगे बढ़ाने के लिए अपना बलिदान कर दे, वही आत्म - त्याग की कसौटी है।

घ) 'प्राणी वही प्राणी है' कविता से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?

उ० 'प्राणी वही प्राणी है' कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि हमें दुखी एवं बेसहारा लोगों की सहायता करनी चाहिए तथा सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए।

ङ) इस कविता में कौन - सी पंक्तियाँ आपको अच्छी लगी और क्यों?

उ० इस कविता की निम्नांकित पंक्तियाँ हमें सबसे अच्छी लगीं -

Scanned with CamScanner

लँगड़े को पाँव और
लूले को हाथ दे
सत की सँभार में
मरने तक साथ दे।

ये पंक्तियाँ हमें इसलिए अच्छी लगीं कि जो शारीरिक रूप से अपंग हैं उनकी सहायता से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है तथा सत्य का पालन ईश्वर की पूजा है, उसे पूरे जीवन में अपनाना चाहिए।

"दुनिया में सभी प्राणी समान हैं।" क्या आप इस बात से सहमत हैं? विषय पर अपना तर्क लिखो।

इस विश्व में सभी प्राणी समान है प्रस्तुत कविता में प्राणी से तात्पर्य मनुष्यों से है, यह परम सत्य है कि विश्व में प्राणी समान है न कोई छोटा है, न कोई बड़ा है न कोई हिन्दु है, न कोई मुसलमान है, न कोई सिक्ख है न कोई ईसाई है। तभी तो राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त जी ने कहा था,

मनुष्य मात्र बंधु है, यही बड़ा विवेक है। मनुष्य अर्थात सबसे बड़ा ज्ञानी महान व्यक्ति ही है मनुष्य ही सभी प्राणियों को समान मानता है। ईश्वर ने मनुष्य की उत्पत्ति समान रूप से की है। आपसी भेदभाव, छोटा - बड़ा अच्छा - बुरा तो हम मनुष्य द्वारा बनाई गई विकृत दीवारे है हमें इन दीवारों को तोड़कर सभी प्राणियों को समान समझना चाहिए एवं इंसानियत का परिचय देना चाहिए।

Scanned with CamScanner

2. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाओ-

(क) 'प्राणी वही प्राणी है' शीर्षक कविता **भवानी प्रसाद मिश्र** [✓] **हजारी प्रसाद मिश्र** [ ] द्वारा रचित है।

(ख) जो हमेशा **सच** [✓] **झूठ** [ ] बोले, वही सच्चा प्राणी है।

(ग) जो रुकती दुनिया को आगे बढ़ा दे, उसका मरना **अच्छा** [✓] **बुरा** [ ] है।

(घ) इस कविता में कवि ने मनुष्य के जीवन का **परोपकारी** [✓] **अपरोपकारी** [ ] चित्र प्रस्तुत किया है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

(क) ___वास्तव में___ प्राणी वही प्राणी है जो लोगों की मदद करे।

(ख) सच्चे मनुष्य वही होते हैं जो विपत्ति का डटकर ___[illegible]___ करते हैं।

(ग) ___असत्य से___ हमें कभी नहीं डरना चाहिए।

(घ) ___दुनिया में___ सभी प्राणी समान हैं, कोई बड़ा नहीं, कोई छोटा नहीं है।

(ङ) ___[illegible]___ मनुष्य वही है जो मनुष्य के लिए मरे।

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

स्निग्ध - ______

सचमुच - ______

सन्नाटा - ______

लहर - ______

सच - ______

Scanned with CamScanner

भाषा कौशल

1. संस्कृत भाषा के वे शब्द जो अपने मूल रूप में हिंदी में प्रयोग किए जाते हैं, वे तत्सम शब्द कहलाते हैं। संस्कृत के मूल शब्दों के स्वरूप में परिवर्तन आ जाने के कारण इन्हें तद्भव कहा जाता है।

नीचे कुछ तद्भव शब्द दिए गए हैं, उनके तत्सम रूप लिखो-

दूध - ______ पाँव - ______

हाथ - ______ सच - ______

माथा - ______

2. **दिए गए शब्द के सही समानार्थी पर (✓) का निशान लगाओ-**

(क) अधर	धरती	☐	होंठ	☑	धारण	☐
(ख) पानी	नीर	☑	आकाश	☐	अंबर	☐
(ग) फूल	कली	☐	कुसुम	☑	गुलाब	☐
(घ) दुनिया	प्राणी	☐	विश्वास	☐	विश्व	☑
(ङ) प्राणी	प्राण	☐	इंसान	☑	इंसानियत	☐

3. बच्चो! कुछ शब्द तो मूलरूप से विशेषण होते हैं, किंतु कुछ शब्द में उपसर्ग या प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाया जाता है।
जैसे - सूख (संज्ञा) - सूखा (विशेषण)

विशेषण बनाओ-

प्यास - ______ सच - ______

भूख - ______ लालच - ______

दया - ______ कृपा - ______

रचनात्मक कौशल

1. 'दिनकर' जी की कविता 'प्रणति' याद करो।

2. 'दुनिया में सभी प्राणी समान हैं।' क्या आप इस बात से सहमत हैं? हाँ ☑ नहीं ☐
नीचे दिए गए स्थान में अपना तर्क लिखो-

______

______

______

______

______

______

MCQ

Scanned with CamScanner